

विषयानुक्रमणी

1.	संलक्ष्यक्रमध्वनेर्देश भेदाः-	1-17
2.	नानार्थे शब्दे ध्वनिवादिनां प्रथमं मतम्-	17-37
3.	नानार्थे शब्दे ध्वनिवादिनां द्वितीयं मतम्-	37-48
4.	पदज्ञानस्योपरमेऽपि मतत्रयेणार्थान्तरबोधस्य साधनम्-	48-54
5.	नानार्थशब्दस्थले ध्वनिकारानुयायिमतयोरुपसंहारः-	54-58
6.	नानार्थशब्दे व्यञ्जनामनङ्गीकुर्वतां मतम्-	58-125
7.	नानार्थशब्दे व्यक्तिं स्वीकुर्वतां प्राचां मतस्येषत्समर्थनम्-	125-128
8.	योगरूढि-यौगिकरूढिस्थले योगार्थमात्रस्य तदालिङ्गितस्य अर्थान्तरस्य च बोधाय व्यक्तेः साधनम्	129-165
9.	प्राचीनैः स्वीकृते नानार्थव्यञ्जकत्वे निर्दोषतायाः प्रतिपादनम्-	165-167
10.	नानार्थशक्तिनियामकानां संयोगादीनां निरूपणम्-	167-282
	● संयोगादीनां संग्रहः-	167-170
	● संयोगनिरूपणम्-	170-177
	● विप्रयोगनिरूपणम् -	177-182
	● साहचर्यनिरूपणम् -	182-196
	● विरोधितानिरूपणम्-	196-221
	● अर्थनिरूपणम् -	221-229

● प्रकरणनिरूपणम् -	230-231
● लिङ्गनिरूपणम्-	232-233
● शब्दान्तरसंनिधिनिरूपणम्-	233-249
● सामर्थ्यनिरूपणम् -	249-257
● औचितीनिरूपणम्-	257-259
● देशनिरूपणम्-	259-264
● कालनिरूपणम्-	264-265
● व्यक्तिनिरूपणम्-	266-269
● स्वरनिरूपणम्-	269-273
● संयोगादिसंग्रहकारिकास्थादिपदतात्पर्यनिरूपणम् -	273-277
● संयोगादीनां लिङ्गभेदतायाः साधनम्-	277-282
11. शब्दशक्तिमूलसंलक्ष्यक्रमध्वनिनिरूपणम्-	282-365
➤ अलंकारध्वनिः-	282-347
● उपमाध्वनिः 'करतल' इत्यादि तदुदाहरणं च-	282-290
● करतलेत्यादिश्लोके उपमाया ध्वनित्वस्य निराकरणम्-	290-312
● करतलेत्यादिश्लोके रूपकस्य ध्वन्यमानतायाः साधनम्-	312-321
● विरोधालंकारध्वनिः-	321-326

● 'मृणालवलय्यादि' इति काव्यप्रकाशोक्त- विरोधालंका समालोचनम् -	326-336
● व्यतिरेकालंकारध्वनिः-	336-347
➤ वस्तुध्वनिः -	347-365
● वस्तुध्वनेरुदाहरणं विवेचनं च-	347-354
● 'शनिरशनिः' इत्यस्य समालोचनम्-	354-365
12. अर्थशक्तिमूलसंलक्ष्यक्रमध्वनिनिरूपणम्-	365-444
● स्वतःसंभविना वस्तुना वस्तुध्वनिः -	379-403
● स्वतःसंभविना वस्तुनाऽलंकारध्वनिः-	379-403
● स्वतःसंभविनाऽलंकारेण वस्तुध्वनिः-	403-416
● स्वतःसंभविनाऽलंकारेणालंकारध्वनिः-	416-420
● प्रौढोक्तिसिद्धवस्तुना वस्तुध्वनिः-	420-423
● अस्य ध्वनेः प्रत्युदाहरणम्-	423-428
● प्रौढोक्तिसिद्धालंकारेण वस्तुध्वनिः-	428-432
● प्रौढोक्तिसिद्धवस्तुनाऽलंकारध्वनिः-	432-441
● प्रौढोक्तिसिद्धाऽलंकारेणालंकारध्वनिः-	441-444
13. उभयशक्तिमूलध्वनिसमीक्षणम्-	444-461
14. लक्षणामूलध्वनिनिरूपणम्-	462-475

- | | |
|---|---------|
| 15. अभिधानिरूपणम्- | 475-535 |
| 16. वाचक-वाच्यनिरूपणम्- | 536-589 |
| 17. लक्षणानिरूपणम्- | 589-632 |
| 18. उपमातो रूपकस्य भेदस्य निरूपणम्- | 632-661 |
| 19. रूपके लक्षणामनङ्गीकुर्वतां नव्यानां मतम्- | 661-700 |
| 20. नव्यमतनिराकरणम्- | 700-756 |